परिचय :

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचल में स्थापित जनता वैदिक कॉलिज, बड़ौत (बागपत) में संस्कृत भाषा के विकास हेतु स्नातक स्तर पर संस्कृत विभाग की स्थापना वर्ष 1959 में हुईं उस समय यह महाविद्यालय आगरा विश्वविद्यालय आगरा से सम्बद्ध थां सन् 1966 में यह चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ से सम्बद्ध हो गयां डॉ0 रामप्रसाद शास्त्री संस्कृत विभाग के अध्यक्ष नियुक्त किये गयें उन्होंने 1959 से 30 जून 1976 तक अनवरत रूप से संस्कृत भाषा और साहित्य की अभूतपूर्व सेवा कीं

डॉ0 रामप्रसाद शास्त्री की सेवा निवृत्ति के पश्चात् संस्कृत के प्रख्यात विद्वान् डॉ0 वेदपाल ने सन् 1976 में संस्कृत विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालां इनके अथक् प्रयासों से सन् 1990 में संस्कृत विभाग में शोध कार्य हेतु शोध–केन्द्र की स्थापना की गयीं डॉ0 वेदपाल जी के निर्देशन में तेरह छात्रों ने पी–एच0डी0 की उपाधि प्राप्त कीं एक छात्रा श्रीमती आभा का शोध–प्रबन्ध मूल्यांकन हेतु विश्वविद्यालय में जमा कराया जा चुका है और एक छात्रा शोध कार्य कर रही हैं समय–समय पर डॉ0 वेदपाल जी के द्वारा विभाग में संगोष्ठियाँ भी आयोजित करायी गयीं 30 जून 2011 में डॉ0 वेदपाल सेवा निवृत्त हो गयें वर्तमान समय में संस्कृत विभाग में कॉलिज द्वारा नियुक्त एक अंशकालिक शिक्षिका श्रीमती आभा डॉ0 साधना तोमर के निर्देशन में कार्य कर रही हैं